MICRO

INDEX
TEACHING SKILLS

S. No.	Topic	Skills	Page No.	Date	Signa
1	जवाहर लाल नेहरु	Introduction Lesson	1-2		
2	जवाहर लाल नेहरु	Introduction Lesson	3-4		
3	अमृतं संस्कृतम्	Illustrating with Examples	5-6		
4	अमृतं संस्कृतम्	Illustrating with Examples	7-8		
5	सदाचारम्	Probing Questions	9-10		
6	सदाचारम्	Probing Questions	11-12		
7	विमानयान स्चयाम्	Stimulus Variation	13-14		
8	विमानयान स्चयाम्	Stimulus Variation	15-16		
9	पर्यावरणं सुरक्षा:	Reinforcement	17-18		
10	पर्यावरणं सुरक्षा:	Reinforcement	19-20		

[MEGA LESSON IN SIMULATION]

INDEX

No.	Date	Lesson No.	Topic	Page No.	Remarks
(1)		1	सर्वा एवं शब्द	21-24	
(2)		2.	अमृतं संस्कृतम्	25-29	
(3)		3.	विमानयान स्चयाम् (कविता)	30-33	

[DISCUSSION LESSON]

INDEX

S. No.	Date	Lesson No.	Topic	Page No.	Remarks
(1)		(1)	न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।	37-38.	

[REAL TEACHING IN SCHOOL]

INDEX

S. No.	Date	Lesson No.	Topic	Page No.	Remarks
1		1	उपसर्ग (व्याकरण)	39-42	
2		2	दुर्बुद्धि विनश्यति पाठ	43-46	
3		3	रमाबाई	47-50	
4		4	मीराबाई (जीवन परिचय	51-53	
5		5	समवायो हि दुर्जयः	54-57	
6		6	कल्पतेव विद्या	58-60	
7		7	संधि व उसके भेद	61-63	
8		8	स्वावलम्बनम् पाठः	64-67	
9		9	सुभाषितानि पाठः	68-70	
10		10	हास्य बालकवि सम्मेलन	71-74	
11		11	कारक व उसके भेद	75-78	
12		12	वर्ण विचार (व्याकरण)	79-82	
13		13	सदाचार	83-86	
14		14	सङ्कल्प सिद्धिदायकः	87-90	
15		15	विश्वबन्धुत्वम्	91-94	
16		16	राष्ट्रध्वजस्य	95-98	
17		17	लट् लकारस्य प्रयोगः	99-102	
18		18	भारत भाति भारती	103-105	
19		19	भारतीय विज्ञानम्	106-109	
20		20	विद्यया आयान्ति सद्गुणाः	110-113	
21		21	कन्याकुमारी	114-116	

SKILL OF INTRODUCATION

Name: Naresh Panchal College Roll No. 11

Concept: जवाहरलाल नेहरू Duration: 3-5 mint Date:

P.T.'s Activities	Student's Activities	Components
(i) पंडित जवाहरलालस्य जन्म कुत्र अभवत् ?	(i) जवाहरलाल जन्म इलाहाबाद नगरे अभवत् ।	पूर्वज्ञान परीक्षण
(ii) - अस्य पितुः किम नाम अस्ति ?	(ii) अस्य पितुः नाम मोतीलाल नेहरू अस्ति ।	
(iii) - अस्य मातुः किम नाम अस्ति ?		
(iv) . अस्य शिक्षा कुत्र अभवत् ?	(iii) अस्य मातुः नाम स्वरूपरानी आसीत्	
(v) - नेहरू विवाहः कौन सह अभवत् ?	(iv) शिक्षा इग्लैण्ड नगरे अभवत् ।	निरन्तरता
(vi) - जवाहरलालस्य जन्म कदा अभवत् ?	(v) नेहरू विवाह कमला नेहरू सह अभवत् ।	
	(vi) कोई प्रतिक्रिया नहीं	

SKILL OF ILLUSTRATING WITH EXAMPLES

Naresh Panchal .... College Roll No. 11

अमृतं संस्कृतम् .... Duration 3-5 mint .... Date ....

h Used ....

Content	P.T. Activities
अमृतं संस्कृतम् विश्वस्य ----------	प्रसंग :- प्रस्तुत पाठ (गद्यांश :-) हमारी पाठ्य पुस्तक संस्कृत (रुचिरा) भाग-2 के अमृतं संस्कृत से लिया गया है। इसमें संस्कृत के महत्व के बारे में बताया गया है
व्याख्या →	विश्व की सभी भाषाओं में संस्कृत सबसे पुरानी भाषा है।
	यह भाषा बहुत सी भाषाओं की जननी है।
	इसी भाषा में ही ज्ञान-विज्ञान का

P.T.'s Activities	Student's Activities	Compone...
प्र० जवाहरलालस्य जन्म कौन सन आसीत ?	सन –	विराम्
प्र० जवाहरलालस्य किम व्यवहार: करिष्यते ?	सदाचरम प्रमा:	श्याम पट्ट कार्य

Testing Student's Understanding (Evaluation Questions)

1. पं० जवाहरलाल का जन्म कब हुआ ?
2. इनके पिता का क्या नाम है ?
3. इनकी माँ का क्या नाम था ?
4. इन्होने शिक्षा कहा से प्राप्त की ?

OBSERVATION SCHEDULE

Name...

Concept....जवाहरलाल नेहरू..................................Roll No. ....

Skill.......पाठ प्रस्तावना कौशल.......................Duration.......................................Date..........

Name of Observer...Roll No. of Observer..........................

COMPONENT	Rating Scale
Prompting	0 1 2 3 4
Seeking further information	0 1 2 3 4
Refocussing	0 1 2 3 4
Redirection	0 1 2 3 4
Increasing Critical Awarness	0 1 2 3 4

Signature of Supervisor

SKILL OF ILLUSTRATING WITH EXAMPLES

...Naresh Panchal.......College Roll No. ....11....

........Duration....3-5 mint....Date........

t....अमृतं संस्कृतम

ch Used........

Content	P.T. Activities
	:गद्यांश: -
अमृतं संस्कृतम विश्वस्य ---------	प्रसंग :- प्रस्तुत पाठ हमारी पाठ्य पुस्तक संस्कृत (रुचिरा) भाग-2 के अमृतं संस्कृत से लिया गया है इसमे संस्कृत के महत्व के बारे मे बताया गया है
व्याख्या →	विश्व की सभी भाषाओं मे संस्कृत सबसे पुरानी भाषा है
	यह भाषा बहुत सी भाषाओं की जननी है
	इसी भाषा मे ही ज्ञान-विज्ञान का खजाना सुरक्षित है
	भारत की दो प्रतिष्ठाओं मे (I) संस्कृत (II) संस्कृति है

Content	
अस्या: भाषाया: ----	इस भाषा की वैज्ञानिकता विचार भी कम्प्यूटर विशेषज्ञ ही कहते हैं यह संस्कृत की सर्वोच्च भाषा है साहित्य में, नीति पुराणों में पाई जाती है
कठिन शब्दों का प्रयोग :-	छात्राध्यापिका कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखती है। जैसे:- मता - मानी गयी है विचार्य - विचार करके अनुपम - अतुलनीय जगति - संसार

OBSERVATION SCHEDULE

Name...Roll No. ....

Concept.......अस्मां संस्कृतम्...............Duration.......................Date..........

Skill.................उदाहरण कौशल.......................................

Name of Observer.......................................Roll No. of Observer..................

COMPONENT	Rating Scale
Examples used were simple	0 1 2 3 4
Examples used were interesting	0 1 2 3 4
Examples used were relevant	0 1 2 3 4
Approach used was appropriate	0 1 2 3 4
Pupils' involvement was adequete	0 1 2 3 4

...ture of Supervisor

SKILL OF PROBING QUESTIONS

...e. Naresh Panchal ....College Roll No. 11

...ept. सदाचारम् ....Duration 25 mint ....Date.......

P.T.'s Activities	Student's Activities	Components
प्रश्न:- सदाचार किन दो शब्दों से मिलकर बना है? (श्यामपट्ट की तरफ संकेत करते हुए)	सदा + आचार = सदाचार	पूर्वज्ञान परीक्षण
...न:- सदाचार का क्या अर्थ है?	अच्छा आचरण	सदाचार
...न:- सदाचार के मुख्य लक्षण क्या है? (इधर-उधर घूमकर)	सत्य अहिंसा उदारता और प्रेम	
...:- सदाचार का किस से गहरा सम्बन्ध है? (पुन: निर्देशन)	नैतिकता से	
...:- सदाचार के आवश्यक अंग कौन-२ से है? (राम तुम बताओ?)	राम:- विनय : मधुर भाषण, अतिथि सत्कार,	निरन्तरता
...अशिष्ट व्यवहार के दो ...दाहरण कौन-से है? (पुन: निर्देशन)	अधिक बोलना और बिना पूछे बोलना।	

P.T.'s Activities	Student's Activities	Comp...
प्रश्न :- हमें किन लोगों का अनुशरण करना चाहिए? (पुनः केन्द्रण)	जो व्यक्ति श्रेष्ठ उदाहरण व आचरण करते हैं।	विराम
प्रश्न :- सदाचार किस प्रकार का होता है? (पुनः निर्देशन) (श्याम तुम बताओ?)	श्याम :- सभी के साथ अच्छा आचरण करना। ही सदाचार कहलाता है।	श्याम प्र...

Testing Student's Understanding (Evaluation Questions)

1. सदाचार का क्या अर्थ है?
2. सदाचार के मुख्य लक्षण क्या है?
3. सदाचार के आवश्यक अंग कौन से है?
4. सदाचार किस प्रकार का होता है?

OBSERVATION SCHEDULE

Name.. Roll No. ....

Concept..... सदाचारम .... Duration.............................. Date........

Skill..... प्रश्न कौशल ....

Name of Observer.. Roll No. of Observer..................

COMPONENT	Rating Sc...
Prompting	0 1 2 3
Seeking further information	0 1 2 3
Refocussing	0 1 2 3
Redirection	0 1 2 3
Increasing Critical Awarness	0 1 2 3

...nature of Supervisor

Signature o...

SKILL OF STIMULUS VARIATION

Name: Naresh Panchal College Roll No. 11

Concept: बिमानयानं रचयाम Duration: 3-5 mint Date:

Content	P.T. Activities	Components
बिमान यानं रचयाम :-	छात्राध्यापिका बच्चों को लय, गति, और विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए बिमानयानं रचयाम् (कविता को कक्षा में गति करते हुए पढ़ती है।	शरीर संचालन
राघव माधव ---- ----- चन्द्रलोके प्रविशाम प्रसंग :→	प्रस्तुत पद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक द्वितीय भाग से रुचिरे के बिमानयानं रचयाम पाठ से ली गई है।	हाव-भाव
व्याख्या :→	राघव, माधव, सीते, ललिते आओ हम हवाई जहाज बनाए नीले रंग के विस्तृत और निर्मल आकाश	चेष्टाएं

Content	P.T. Activities	Compon…
	मै हम वायु विहार या यात्रा करो हमे कभी भवन, कभी वृक्षों और कभी आकाश को पार करके चलो।	विराम
	छात्राध्यापिका द्वारा से छात्रों को बताती है	
कठिन शब्दो के अर्थ	बच्चो अब कठिन शब्दो के बारे मे बताती हूं	श्यामपट्ट का…
	नीले — नीला गगन	
	वायु विहार — वायु यात्रा	

OBSERVATION SCHEDULE

Name..Roll No. ....

Concept......विमानयान स्वयाम..........Duration..........................Date..........

Skill..........उद्दीपन कौशल..........

Name of Observer..........................Roll No. of Observer..........

COMPONENT	Rating Sca…
Movement	0 1 2 3 …
Gestures	0 1 2 3 …
Change in voice	0 1 2 3 …
Focusing	0 1 2 3 …
Change in interaction pattern	0 1 2 3 …
Pausing	0 1 2 3 …
Pupil's physical participation	0 1 2 3 …
…ral-visual switching	0 1 2 3 …

…ture of Supervisor

Signature of …

SKILL OF REINFORCEMENT

…e....Naresh Panchal..........College Roll No. ....11........

…ept....पर्यावरणं सुरक्षा:..........Duration.....3-5 mint.........Date..........

Content	P.T. Activities	Student's Activities
भगवता मनुष्यस्य प्राणिमात्रस्य कल्याणाय पर्यावरणस्य रचिता।	छात्रा: भगवता मनुष्यस्य कल्याणाय किं रचना कृता? (बहुत अच्छा)	पर्यावरणस्य
अद्य सर्वे देशाः उपायाः अन्वेषणीया सन्ति।	भगवता मनुष्यस्य प्राणिमात्रस्य कल्याणाय पर्यावरणस्य रचना कृता, प्रकृतिः, तद्गताः, चेतनाः अचेतनाः च पदार्थाः पर्यावरणं सम्पादयन्ति पर्यावरणस्य एव अर्थ प्रभाव यदु मानवः स्वस्थः भवितुम अर्हति, यदि पर्यावरणस्य सुरक्षा न भवति तदा मानव जीवनस्य विनाशः ध्रुवः एवं	सर्वक्षेम भवन्ति
देशैः पर्यावरणस्य सुरक्षायाः उपाया अन्वेषणीया सन्ति।	वनानां किं लाभ भवति? (बहुत अच्छा)	(i) वर्षाः वर्षति, (ii) वनानां फलं प्राप्यते (iii) काष्ठं प्राप्यते।

Content	P.T. Activities	Student's A
वनानां किम्-२ प्राप्यते ?	अनेकानां प्रकारेण फलं	
	पुष्पः प्राप्यते, निर्मलः	हाँ
	जलः प्राप्यते	प्राप्यते।
पर्यावरणस्य सुरक्षा किम्-किम् भवति।	यदि पर्यावरणस्य सुरक्षा न	यदि पर्याव
	भविष्यति तद् किम्	सुरक्षा न
	भवति ?	भविष्यति
		महामृत्यु
		स्वाभाव
		भवति।

OBSERVATION SCHEDULE

Name...Roll No. ....

Concept..... पर्यावरण सुरक्षा ....Duration..Date.........

Skill...... पुर्नबलन कौशल ....

Name of Observer...Roll No. of Observer...........................

COMPONENT	Rating Sca
Use of Praise Words	0 1 2 3
Use of Statements accepting pupils feelings	0 1 2 3
Repeating and rephrasing pupils responses	0 1 2 3
Writing pupils responses on the blackboard	0 1 2 3
Use of non-verbal actions	0 1 2 3
Use of discouraging words/statements	0 1 2 3
Use of discouraging cues and voice tones	0 1 2 3
Inappropriate use of Reinforcement	0 1 2 3

gnature of Supervisor

Signature of

MEGA LESSON IN SIMULATION

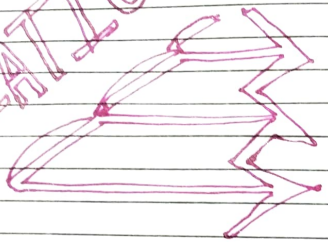

MEGA LESSON PLAN NO:- 1

PT's Roll No:→ 11 — Date →

Subject → संस्कृत — Class → VII

Topic → संज्ञा एवं शब्द — Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डाइज़न, संकेतक, श्यामपट्ट, फ्लैश कार्ड आदि।

← अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i)- इस पाठ के माध्यम से छात्र संज्ञा शब्द के अर्थ बताने में सक्षम हो सकेंगे।

(ii)- इस पाठ के माध्यम से छात्र संज्ञा शब्द के प्रकारों के विषय में जान सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→ (i)- इस पाठ के माध्यम से छात्र संज्ञा शब्द के अर्थों की व्याख्या कर सकेंगे।

(ii)- छात्र संज्ञा शब्द के अलग-2 उदाहरण दे सकेंगे।

(iii)- छात्र संज्ञा शब्द के अर्थों के बारे में भेद स्थापित कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i)- छात्र संज्ञा शब्द तथा उसके अर्थों के विषय में तर्क वितर्क दे सकेंगे।

(ii)- छात्र संज्ञा शब्द के माध्यम से शब्दों के बारे में अनुमान लगाने में सक्षम हो सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य !→ (i) छात्राध्यापिका जब छात्रों को सत्ता शब्द के विषय मे पढ़ायेगी तो उनका पठन कौशल विकसित होगा।

(ii) छात्राध्यापिका जब छात्रो से सत्ता शब्द के विषय मे विस्तार से पूछेगी तो छात्रो का मौखिक कौशल विकसित होगा।

(iii) छात्राध्यापिका द्वारा पढ़ाये जाने पर जब छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो छात्रो का श्रवण कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को सत्ता व शब्द के विषय में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

PT Act--	Stu Act--
(i) जब किसी व्यक्ति वस्तु या स्थान का बोध हो तो उसे क्या कहते है?	उ- सत्ता।
(ii) बच्चो सत्ता किसे कहते है?	उ- जो शब्द वस्तु, व्यक्ति, व स्थानो का बोध कराता हो।
(iii) सत्ता को विस्तार से कैसे पढ़ा जा सकता है?	उ- कोई उत्तर नही

← उपविषय की घोषणा →

अतः प्रिय बच्चो आज हम सत्ता शब्द के रूप में विस्तार से पढ़ेगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T's Activity	Stu. Activity	B.B. Work
सत्ता शब्द:-	जो सत्ता शब्द किसी प्रकार के शब्दो के विषय मे बोध	छात्र ध्यानपूर्वक	सत्ता के दो भेद होते है (i) अजन्त (ii) हलन्त -व्यजन सत्ता उसे कहते है. जिन शब्दो के अन्त मे व्यजन आता हो। जैसे !- (राजानाम्) आदि।
		नोट	
	(ii) अजन्त सत्ता किसे कहते है?		
हलन्त शब्द:- सत्ता-	जिन शब्दो के अन्त मे व्यजन हो उसे हलन्त स्वर कहते है जैसे :- (i) राजन् (ii) रामम् (iii) राजानाम्	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगे।	

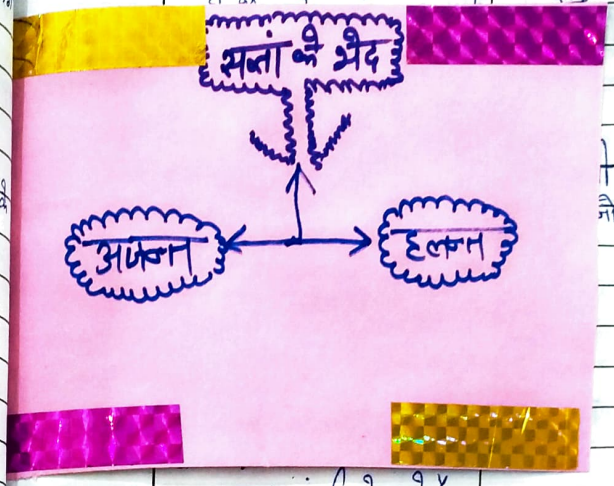

शब्द रूप :→

स्त्रीलिंग विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा विभक्ति	लता	लते	लताः
द्वितीया वि०	लताम्	लते	लताः
तृतीया वि०	लतया	लताभ्याम्	लताभि
चतुर्थी वि०	लतायै	लताभ्याम्	लताभ्य
पंचमी वि०	लतायाः	लताभ्याम्	लताभि
षष्ठी वि०	लतायाः	लतयोः	लतानाम्
सप्तमी वि०	लतायाम्	लतयोः	लतासु
सम्बोधन	हे लते!	हे लते	हे लताः

निष्कर्षात्मक कथन :→

अच्छा प्रिय बच्चो आज हम ने संज्ञा शब्द रूप के विषय में तथा उनके भेदो के विषय में विस्तार से पढ़ा

गृहकार्य :→

छात्रो आप सब ने संज्ञा शब्द रूप के विषय मे घर से याद करले व अपनी कॉपी मे नोट कर के लाना हैं।

MEGA LESSON NO :- 2.

P.T's Roll No → 11 Date →

Subject → संस्कृत Class → VII

Topic → अमृतं संस्कृतम् Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डस्टर, संकेतक, श्यामपट्ट, फ्लैश कार्ड आदि।

← अनुदेशात्मक उद्देश्य →

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र अमृतं संस्कृतम् के विषय मे पढ़कर प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।

(ii) छात्र अमृतं संस्कृतम् के बारे में पढ़कर उसके महत्व को पहचान कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→

(i) छात्र पाठ को पढ़कर उसके अर्थों के बारे मे संबंध स्थापित कर सकेंगे।

(ii) छात्र इस पाठ को पढ़ने के बाद उसके कठिन शब्दो को जानने के योग्य हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र संस्कृत की भाषा के विषय मे जानकर संस्कृत शब्दो के विश्लेषण करने के योग्य हो सकेंगे।

(ii). कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) छात्र अध्यापक के आदर्श वाचन को ध्यानपूर्वक सुनेगे तो छात्रो का श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii)- पाठ का अनुकरण करने से छात्रों में पठन कौशल विकसित होगा।

(iii)- इस पाठ के माध्यम से छात्र अपनी कॉपी में नोट करेंगे तो छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्र को अमृतं संस्कृतं की कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T.Act.	Stu-Act.
प्र०- (i) भारत में सबसे अधिक किस भाषा को सबसे अधिक महत्व दिया गया है?	(i) संस्कृत
प्र० (ii)- अच्छा बच्चों संसार की सबसे प्राचीन भाषा कौन सी है?	(ii) संस्कृत
प्र० (iii)- संस्कृत भाषा की कितनी प्रतिष्ठाएँ हैं?	(iii) कोई उत्तर नहीं

← उद्देश्य की घोषणा →

छात्राध्यापिका:- प्रिय बच्चों आज हम (अमृतं संस्कृतम्) पाठ को विस्तार-पूर्वक पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T Activity	Stu-Activity	C.B. work
आदर्श वाचन:-	छात्राध्यापिका बच्चों के सामने आदर्श वाचन करते हुए विराम चिह्न, लय, गति आदि का ध्यान रखेगी।	बच्चे आदर्श व अनुकरण वाचन करते हुए।	संस्कृतं भाषासु सर्व प्राचीनतम - भाषा अस्ति। ज्ञानं, विज्ञानं अस्यां भाषायां अस्ति। संस्कृत भाषा की 2 प्रतिष्ठाएँ (i)- संस्कृतं (ii)- संस्कृति आदि।
अनुकरण वाचन	प्रसंग:- प्रस्तुत गद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक [रुचिरा भाग-2] से अवतरित है। संस्कृतं अमृतं पाठ से लिया गया है। इसमें संस्कृतं के महत्व के बारे में बताया गया है।	छात्र अपनी कॉपी में नोट करेंगे	
संस्कृत अमृतम	व्याख्या:- विश्व की सभी भाषाओं में संस्कृत भाषा सबसे प्राचीन भाषा है। यह भाषा अनेक भाषाओं की जननी है। इसी भाषा में ज्ञान, विज्ञान का खजाना छुपा हुआ है। जहाँ कहा गया है कि संस्कृत भाषा की दो प्रतिष्ठाएँ हैं (i) संस्कृत (ii) संस्कृति आदि।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे	

Content	P.T. Activity	Stu Activity	C.B. Work
कठिन शब्द	अध्यापिका कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखती हैं।		
अस्त्या:	व्याख्या :→ कम्प्यूटर विशेषज्ञ कहते हैं कि संस्कृत भाषा कम्प्यूटर के लिए सबसे उत्तम भाषा है। इस भाषा का प्रयोग वेदों, पुराणों, नीतिशास्त्रों और चिकित्सा शास्त्र आदि में सम्पन्न है कालिदास के समान विश्व कवियों में वेदों का सौन्दर्य अतुलनीय है।	छात्र कॉपी में नोट करेंगे।	
शिरोमणी अकरोत् :→	चाणक्य का अर्थशास्त्र में न विश्व में प्रसिद्ध है शून्य का प्रतिपादन सबसे पहले आचार्य भास्कर ने किया जो भास्कर आचार्य शिरोमणी में किया था	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

← अंतिम पुनरावृत्ति →

प्रश्न-१- का भाषा प्राचीनतमा ?

प्रश्न-२- चाणक्येन रचितं शास्त्रं किम् ?

प्रश्न-३- शून्यस्य प्रतिपादनं कः अकरोत् ?

← मौन वाचन →

बच्चे पढ़ाये गए पाठ को ध्यान पूर्वक पढ़ते हैं।

निष्कर्षात्मक कथन :→ इस पाठ के माध्यम से हमने संस्कृत अमृतं भाषा के विषय में विस्तार पूर्वक पढ़ा।

गृहकार्य :→ प्रिय बच्चों अमृतं संस्कृतं पाठ का अर्थ लिखकर व दोहराकर लाना है।

MEGA LESSON NO:- 2 Class → VIIth

PT's Roll No:→ 11 Date →

Subject → संस्कृत Time → 35 मिनट

Topic → विमानयानं रचयाम (कविता)

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, फ्लैश कार्ड आदि।

← अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i)- छात्र इस कविता को पढ़कर अनेक ग्रहों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(ii)- छात्र कविता में आए कठिन शब्दों को पढ़ने व उनके अर्थों से परिचित हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→ (i)- बच्चे विमान यान कविता के माध्यम से विमानों से सम्बंधित कल्पनाएं कर सकेंगे।

(ii)- इस कविता के माध्यम से बच्चे अनेक ग्रहों तथा आकाश के बारे में विभिन्न उदाहरण दे सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i)- प्रयोगात्मक उद्देश्य के माध्यम से कविता पढ़कर तथा विश्लेषण करने से अपने ज्ञान को अधिक बढ़ायेंगे।

(ii) विद्यार्थी इस कविता से सम्बन्धित जानकारी का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र अध्यापिका के आदर्श वाचन को ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

(ii)- पाठ का अनुकरण वाचन करने से छात्रों का पठन कौशल विकसित होगा।

(iii)- इस कविता के माध्यम से छात्र अपनी कॉपियों पर लिखेंगे जिससे उनका लेखन कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि बच्चों को हवाई जहाज के बारे में जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

PT-Act--	Stu Act--
(i)- आकाश कैसे रंग का होता है?	(i)- नीले रंग का
(ii)- ऊँचे आकाश में क्या-2 दिखता है?	(ii)- सूर्य, चाँद, तारे आदि।
(iii)- वायुयानों का प्रयोग क्यूँ और क्यों करते हैं?	(iii)- यातायात और व्यापार के लिए।
(iv)- क्या आपने हवाई जहाज में सैर की है?	(iv)- कोई उत्तर नहीं।

उपविषय की घोषणा :→ प्रिय बच्चों आज हम (विमानयानं) कविता के विषय में विस्तार पूर्वक पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

Content	PT's Activity	Stu Activity	B.B. Work
आदर्श वाचन-	छात्राध्यापिका बच्चों के सामने आदर्श वाचन करती हुई विराम चिह्न, लय, गति, आदि का ध्यान रखती है।	छात्र आदर्श वा	आकाश में स्थित विभिन्न ग्रह:- शुक्र, चन्द्र, सूर्य, गुरु, प्लूटो, यूरेनस, बुध, मंगल, आदि। नीले रंग का आकाश। आदि
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापिका बच्चों को अनुकरण वाचन करने के लिए कहेगी।	अनुकरण वाचन करते हुए।	
प्रसंग !-	प्रस्तुत पद्यांश हमारी सम्मिलित पाठ्यपुस्तक (रुचिरा-भाग 2) के (विमानयानं रचयाम) पाठ से लिया गया है। इसमें हवाई जहाज सैर के विषय में बताया गया है।	छात्र प्रसंग को अपनी कॉपी पर लिखेंगे।	
राघव/माधव व्याख्या !-	राघव, माधव, ललिता, सीता, आओ हम हवाई जहाज बनाएं। नीले रंग के विस्तृत और निर्मल आकाश में हम वायु यात्रा करें। हम ऊँचे-2 वृक्ष व भवन और आकाश को पार करके चलें। व चन्द्रलोक में प्रवेश करें।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
कठिन शब्द	छात्राध्यापिका कठिन शब्दों को श्याम पट्ट पर लिखती है।	बच्चे अपनी कॉपी पर लिखते हुए।	
शुक्र, चन्द्र, गुरु, व्याख्या !→	हम शुक्र, चन्द्र, सूर्य, गुरु इन सभी ग्रहों को गिनें व अनेक प्रकार के सुन्दर तारों को चुनकर हम मोतियों का हार बना लें। बादलों की माला को व आकाश की शोभा को लेकर ही हम वापिस लौटें। दुखी पीड़ित और किसान लोगों के घरों में हम खुशी पैदा करें।		

अंतिम पुनरावृत्ति !→ 1. के वायुयानं रचयाम?
2. वयं कस्मिन लोके प्रविशाम?

मौन वाचन :→ बच्चे पढ़ाई गई कविता को ध्यानपूर्वक चुपचाप पढ़ेंगे।

निष्कर्षात्मक कथन !→ प्रिय बच्चो हम सब ने इस कविता के माध्यम से यात्रा करते-2 ग्रहों तथा आकाश के विषय में विस्तार से पढ़ा।

गृहकार्य !→

छात्राध्यापिका बच्चों से कहेगी। (विमानयानं रचयाम) कविता को पढ़कर व याद करके आना है।

LESSON PLAN-4.

P.T's Roll No → 11 Class → VIII

Subject → संस्कृत Date →

Topic → मीराबाई (जीवन परिचय) Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :- चॉक, श्यामपट्ट, झाड़न, संकेत आदि

← अनुदेशात्मक उद्देश्य →

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i)- इस पाठ को पढ़कर छात्र जीवन से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(ii)- छात्र पाठ को पढ़कर पढ़ने में पूर्ण रूप से समर्थ हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→ (i) इस पाठ को पढ़कर छात्र यह कल्पना कर पाएंगे की मीराबाई का जीवन कैसा था।

(ii). छात्र मीराबाई के जीवन में आने वाली समस्या जान सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i). छात्र पाठ के आधार पर वर्गीकरण कर सकेंगे।

(ii) छात्र कठिन शब्दों का प्रयोग श्यामपट्ट से देखकर कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i)- छात्र में पठन कौशल के साथ श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii)- छात्र में मौखिक कौशल का विकास होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को मीरा के जीवन के विषय में थोड़ी बहुत जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

Pr Act.	Stu Act.
(i) मीराबाई कौन थी?	(i)- संस्कृत विद्वत्ता।
(ii)- मीराबाई का जन्म कब हुआ?	(ii)- 1858 ई०।
(iii). मीराबाई के माता-पिता का क्या नाम है?	(iii)- अनन्त शास्त्री डोंगरे व माता लक्ष्मीबाई।
(iv) मीराबाई को कौन सी उपाधियों से सम्मानित किया गया?	(iv)- कोई प्रतिक्रिया नहीं।

उपविषय की घोषणा →

छात्राध्यापिका:- अच्छा बच्चों आज हम (पंडिता मीराबाई) के जीवन के विषय में विस्तार से पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	Pr Activity	Stu Activity	B.B work
आदर्श वाचन →	छात्राध्यापिका बच्चों के सामने आदर्श वाचन करते समय लय, गति, विराम चिह्न आदि का ध्यान रखेगी।		
प्रसंग!	प्रस्तुत गद्यांश हमारी संस्कृत (रुचिरा भाग-2) मीराबाई पाठ से लिया गया इसमें मीराबाई के जीवन के विषय में बताया गया है।	प्रसंग छात्र अपनी कॉपी में नोट करेंगे	
जीवन परिचय मीराबाई!→	मीराबाई संस्कृत की विद्वता के कारण पण्डिता और सरस्वती इन दो उपाधियों से विभूषित थी। मीराबाई का जन्म 1858 ई० में हुआ था। इन्होंने शिक्षा चिन्तनीय थी स्त्रियों को संस्कृत शिक्षा का अधिकार नहीं था। उनके पिता का निधन पहले ही हो गया था उसके माता-पिता बड़ी बहन अकाल से पीड़ित होकर उनकी मृत्यु हो गयी व बाद में इन्होंने वेद शास्त्र के लिए आंदोलन किया 1880 ई० में मीराबाई को विवाह करना पड़ा और कुछ समय पश्चात इनके पति की भी मृत्यु हो गयी	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	संस्कृत की सरस्वती इन उपाधि प्राप्त करने वाली विद्वान - मीराबाई ने विभिन्न आंदोलन में अपना योगदान दिया।

निष्कर्षात्मक कथन!→

इस पाठ में हमने मीराबाई के सम्पूर्ण जीवन के विषय में पढ़ा।

अंतिम पुनरावृत्ति!→ (i) मीराबाई का पिता कौन था?

(ii)- मीराबाई ने किससे विवाह किया था?

(iii)- मीराबाई किस समाज से प्रभावित थी?

गृहकार्य!→

अच्छा बच्चों घर से इस पाठ को याद करके व लिखकर लाना है।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]		

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	C.B. Work
पुरा एक स्मिन ....न्यवदेताम	व्याख्या :- संगठित को जीतना बहुत सरल होता है। पुराने समय में एक पेड़ पर एक चिड़िया रहती थी। कुछ समय बाद उसकी एक संतान हुई। एक बार एक मस्त हाथी ने उस वृक्ष के नीचे आकर सूंड से उस वृक्ष की टहनी को तोड़ दिया। चिड़िया का घोंसला पृथ्वी पर गिर गया।		चिड़िया व विशाल हाथी के बीच वार्तालाप।
काष्ट कूट पक्षी का आवागमन :-	काष्टकूट नामक पक्षी ने दुखः से उससे पूछा कि हे भद्रे तुम क्यों रो रही हो।		काष्टकूट नामक पक्षी के संदर्भ में वार्तालाप।
चिड़िया वाक्य:	चिड़िया बोली एक दुष्ट हाथी ने मेरी संतान नष्ट कर दी उस हाथी का वध करने से ही मेरा दुख दूर होगा। ऐसे में इन बातों को सुनकर मक्खी बोली मेरा मैं मेघनाद नामक एक मेढक मित्र है जल्दी जाकर उसके पास जैसा उचित होगा वैसा ही करेंगे।		मेघनाद व मक्खी के बीच वार्तालाप।
मेघनाद :- ....दुर्जेय प्रसंग :-	व्याख्या :- मेघनाद ने कहा जैसा मैं कहता हूं वैसा ही करो है मक्खी तुम पहले दोपहर को		

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	C.B. Work
	उस हाथी के कान मे आवाज करना उससे वह आंखें बंद करके बैठ जायेगा। तब काष्टकूट अपनी चोंच के द्वारा उसकी आंखे फोड़ देगा। वह हाथी अंधा हो जाएगा। और वह हाथी प्यास के मालाब के गड्डे मे गिर जायेगा और मर जायेगा। वह हाथी गड्डे मे गिर गया और मर गया। अनेक निर्बल वस्तुओं के समूह पर भी विजय प्राप्त करना कठिन हो जाता है।		

निष्कर्षात्मक कथन :→ प्रिय छात्रों इस पाठ के माध्यम से हमें यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि संगठन में रहने से सहयोग मिलता है।

अंतिम पुनरावृत्ति :→ (i)- वृक्षे का प्रतिवसति स्म।
(ii)- तत्रैव मत्त: क: आगत:
(iii)- काष्टकूट: चटका कस्या समीपम् अनयत् आदि।

गृहकार्य :→
अच्छा प्रिय बच्चों आप सब ने इस पाठ को घर से पढ़कर आना है।

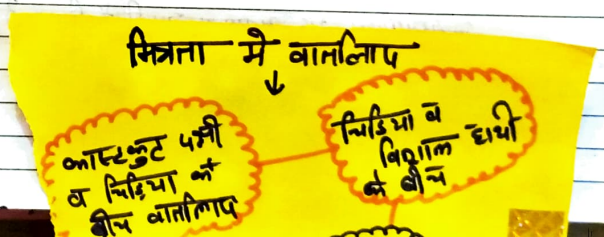

DISCUSSION LESSON

→

→

→

DISCUSSION - LESSON NO. 1

P.T.'s Roll No → 11 | Date →

Subject → संस्कृत | Class → [IX]

Topic → [न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते] | Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री !→ श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतक, फ्लैश कार्ड, मॉडल आदि

← अनुदेशात्मक उद्देश्य →

ज्ञानात्मक उद्देश्य !→ (i) - इस पाठ को पढ़कर छात्र पढ़ने में समर्थ हो सकेंगे।

(ii) - इस पाठ के माध्यम से छात्र विभिन्न जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य !→ (i) - इससे छात्र पाठ के अंदर आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताने में समर्थ हो सकेंगे।

(ii) वे शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य !→ (i) छात्र कठिन शब्दों को श्यामपट्ट से पढ़कर लिखेंगे। पुनः श्यामपट्ट पर लिखे कार्य को कॉपी में प्रयोग करेंगे।

(ii) - छात्र पाठ - वाक्य के आधार पर अनुमान लगाने में समर्थ हो सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य !→ (i) छात्राध्यापिका पाठ को पढ़ायेंगी और छात्र उसे सुनेंगे इससे छात्रों में श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii)- छात्राध्यापिका आदर्श वाचन करेगी और छात्र उसका अनुकरण करेंगे। इससे छात्रों की उच्चारण कौशल विकसित हो सकेगी।

(iii)- कक्षा में परस्पर विचारों के आदान-प्रदान से छात्रों का उच्चारण शुद्ध हो सकेगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्रों को थोड़ा बहुत ज्ञान है कि "धर्म और अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए" ऐसा छात्राध्यापिका अनुमान लगाती है।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T-Act-	Stu Act--
(i)- ऐसी कौन सी वस्तु है जो कभी नष्ट नहीं होती?	(i)- आत्मा
(ii)- आत्मा कहाँ होती है?	(ii)- शरीर में
(iii)- क्या भिन्न-2 शरीर में भिन्न-2 आत्मा होती है?	(iii)- नहीं
(iv). समाज में मनुष्य की पहचान किस प्रकार होती है?	(iv)- आचरण एवं धर्म द्वारा
(v)- धर्म क्या होता है?	(v)- कोई उत्तर नहीं

← उद्देश्य की घोषणा →

छात्राध्यापिका संतोषजनक उत्तर न पाकर यह घोषणा करती है कि प्रिय बच्चों आज हम धर्मात्मा व्यक्ति पर आधारित पाठ पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण
↓

Content	P.T Activity	Stu-Activity	C.B. work
बाल: अष्टावक्र मित्रैः सह क्रीडित्वा गृहं प्रत्यागत: स स्वजननीम् पृच्छत "मात: न आस्ते मम पिता" इति सा वदत "तात" तव पिता जनकः जनकस्य सभायां विद्वद्भि: सह शास्त्रार्थं गत: आसीत्। किन्तु अधुना यावत् न प्रतिनिवृत्त:।	बालक अष्टावक्र मित्रों के साथ खेलकर घर लौटा। उसने अपनी माता को पूछा - हे माता मेरे पिता जी कहाँ है? वह बोली पुत्र मेरे पिता जी राजर्षि जनक की सभा में विद्वानों के साथ शास्त्रार्थ करने के लिए गए। किन्तु अभी तक वापस नहीं आए। अर्थात वापस नहीं लौटे।	पुनर्वाचन करते है छात्र बनावट के आधार पर शब्दों के पुनारी को अपनी कॉपी में लिखेंगे। छात्र कठिन शब्दों के अर्थ भी अपनी कॉपी में लिखेंगे।	मित्रै - तृतीया विभक्ति लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन अद्यापि - अद्य + अपि अस्मि - अस् धातु लट् लकार, उत्तम पुरुष एक वचन
अद्यापि चिन्तातुरा अस्मि "इदं निशम्य अष्टावक्र प्रत्यवदत् जननी अलं चिन्ता। स्व प्रभाते एवं अहं राजसभां गत्वा ज्ञास्यामि का वार्ता इति।	मैं भी चिन्ता से व्याकुल हूँ। यह सुनकर अष्टावक्र ने कहा - हे माँ चिंता मत करो कल प्रातः काल ही मैं राजा के दरबार में जाकर जानकारी प्राप्त करूंगा की क्या बात है।	छात्र व्याकरण संबंधी वाचनों को ध्यान से सुनेंगे।	अभवत् - भू धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष एकवचन

Content	P.T Activity	Stu Activity	B.B. work
विलक्षण - प्रतिभासम्पन्न: सर्वशास्त्रपारङ्गत: अष्टावक्र: अभाषत् भ्रातः मा भैषीः तादृशी ईदृशी वा आशंका मा विधेहि। अहं पिता सह शिघ्रमागमिष्यामि	विलक्षण प्रतिभा से प्रपन्न सर्वशास्त्रपारङ्गत अष्टावक्र ने कहा - है माता ! मत डरो ऐसी अथवा वैसी आशंका मत करो। मैं पिता के साथ शीघ्र आ जाऊंगा।	छात्र कठिन शब्दों के अर्थ पूछते हैं।	
इत्युक्त्वा मात्रा अनुमत: अष्टावक्र: राजसभां गत: कथमपि सभायां लब्ध - प्रवेश: स: राजानं सविनयं प्रणमत्।	यह कहकर माता से आज्ञा प्राप्त किया हुआ अष्टावक्र राजा की सभा में गया उसने किसी तरह सभा में प्रवेश प्राप्त किया और फिर राजा को विनम्रता से प्रणाम किया।	छात्र अपना सारा ध्यान छात्राध्यापक द्वारा दिए गए वाक्यों को और लगाते हैं।	

← अंतिम पुनरावृत्ति →

(i). बालक का क्या नाम था?
(ii)- बालक किसके साथ खेलकर घर लौटा?
(iii)- अष्टावक्र के पिताजी कहां गए थे?
(iv)- माता कि आज्ञा लेकर बालक कहां गए थे?

← निष्कर्षात्मक कथन →

प्रिय छात्रों आज हमने धर्म व उसको पालना करने को लेकर पाठ पढ़ा

गृहकार्य :→

छात्राध्यापिका बच्चों से कहती है कि आप सब ने इस पाठ को अर्थ से याद करके व कॉपी में नोट करके लाना है।

LESSON PLAN [redacted]-1

P.T.'s Roll No:→ 11 Class → VII

Subject → संस्कृत Date →

Topic → उपसर्ग (व्याकरण) Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, फ्लैश कार्ड, डस्टर, संकेतक, श्यामपट्ट आदि।

←अनुदेशात्मक उद्देश्य→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→
(i) छात्र इस पाठ को पढ़कर उपसर्ग के अर्थ को जानकर इसके शब्दों को पहचान कर सकेंगे।

(ii) - छात्र उपसर्ग व उसके भेदों को याद करने में सक्षम होंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→ (i) - छात्र उपसर्ग के विभिन्न भेदों में आपसी सम्बन्ध बताने में सक्षम हो सकेंगे।

(ii) - छात्र उपसर्ग के विभिन्न भेदों से सम्बन्धित उदाहरण देने में सक्षम हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) - छात्र उपसर्ग के विभिन्न भेद को समझेंगे और भविष्य में अपने दैनिक जीवन में वाक्यों का प्रयोग कर सकेंगे।

(ii) - छात्र तर्क - वितर्क करने में सक्षम हो सकेंगे कि उपसर्ग में शब्दांश या प्रत्यय जुड़कर - अलग-2 शब्द बनाते हैं

कौशलात्मक उद्देश्य :→

(i) - छात्राध्यापिका जब छात्रों को मौखिक रूप से बतायेगी तो छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे जिससे छात्रों में श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii) - छात्राध्यापिका जब उपसर्ग के कुछ उदाहरण श्यामपट्ट पर लिखेगी तो छात्रों का लेखन कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को उपसर्ग के विषय में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T Act-	Stu.Act
(i) एक या एक से अधिक वर्णों से बनी स्वतन्त्र या सार्थक ध्वनि को क्या कह सकते हैं?	(i) शब्द
(ii) शब्द के अन्त में जो शब्दांश जुड़ते हैं उन्हें क्या कहते हैं?	(ii) प्रत्यय
(iii) धातुओं और धातुओं से निर्मित शब्दों को क्या कहते हैं?	(iii) उपसर्ग
(iv) उपसर्ग किसे कहते हैं?	(iv) एक या एक से अधिक वर्णों से बनी सार्थक ध्वनि को उपसर्ग कहते हैं
(v) अच्छा बच्चो उपसर्ग कितने प्रकार के होते हैं?	(v) कोई उत्तर नहीं।

उपविषय की घोषणा :→ अच्छा प्रिय बच्चो आज हम उपसर्ग के विषय में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→

Content	P.T Activity	Stu.Activity	B.B. work
उपसर्ग :→	संस्कृत में उपसर्ग या गति नामक अव्यय शब्द होते हैं इनके स्वतंत्र अर्थ होते हैं ये धातुओं से निर्मित शब्दों से पूर्व लगते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	उपसर्ग २२ प्रकार के होते हैं। अति, अधि, अनु, उप, अभि, निस्:, सम, परा, परि, प्रति, वि, समः, प्र, सु, दुस, दुर आदि
भेद :→	उपसर्ग २२ प्रकार के होते हैं। अति, अधि, अनु, उप, अभि, अव, आ, अप, उप, नि, निस:, स्वर, परा, परि, प्रति, वि, सम:, प्र, सु, दुस, दुर आदि।	छात्र अपनी कॉपी में नोट करेंगे।	
अति उपसर्ग :→ (i)	अति + क्रम: अति + सर्जना अति + भार अति + क्रमण अति + सार अन्न + वाधि		
(ii)	अधि :- अधि + गम: अधि: + काप अधि : + क्षेप : मक + मणा		
	प्र + भावा प्र + धान: प्र + आकृति		

Content	P.T Activity	Stu Activity	C.B. Work
(4)	अभि + उपसर्ग अभि + गम: अभि + जन:		
(5)	अव: → अवतार, अवगाह, अव, मन, अवनित, अवगीता	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे	
(6)	आ: → आकाय: आकाश		
(7)	उत: → उद्गम् → उद् + गम		
(8)	उप: - उपकृता, उपदेश		
(9)	परि: - परिधि, परिणाम		
(10)	परा: - पराक्रम, पराकृत आदि		

निष्कर्षात्मक कथन :→ अच्छा प्रिय बच्चों इस पाठ के माध्यम से हमें यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि उपसर्ग कैसे बनते हैं।

← मौखिक पुनरावृत्ति :→

(1) उपसर्ग किसे कहते हैं?
(2) आप उपसर्ग के दो उदाहरण दीजिए?
(3) आ उपसर्ग किसे कहते हैं?

← गृहकार्य :→

प्रिय बच्चों कल उपसर्ग के विषय में ध्यानपूर्वक पढ़कर व कॉपी पर लिखकर लाने हैं।

LESSON PLAN - 2

P.T's Roll No:- 11 — Class → VII

Subject → संस्कृत — Date →

Topic → दुर्बुद्धि विनश्यति पाठ — Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, संकेतक आदि।

← अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र दुर्बुद्धि पाठ के विषय में जानने योग्य हो सकेंगे।
(ii) - छात्र इस पाठ में आए हुए मित्रों के बारे में पहचान कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→
(i) छात्र सवरं में आये हुए दो अलग-2 मित्रों के बारे में पहचान कर सकेंगे।
(ii) - इस पाठ के माध्यम से छात्र शब्दों के भेद करने में सक्षम होंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→
(i) इस पाठ के माध्यम से छात्र अलग-2 मित्रों के बारे में भेद करने में सक्षम हो सकेंगे।
(ii) - छात्र पाठ के माध्यम से दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→
(i) - छात्रों का श्रवण कौशल विकसित हो सकेगा।
(ii) छात्र अध्यापक के प्रश्न पूछने पर जब छात्र उत्तर देंगे तो उनका पठन व मौखिक कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि प्रिय बच्चों को (दुर्बुद्धि विनश्यति) पाठ के विषय में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T Act--	Stu Act--
प्रश्न-	उत्तर
(i) मगध देश में किस नाम का तालाब था?	(i) फुल्लोत्पल नाम का।
(ii) तालाब पर कौन-२ से दो मित्र रहते थे?	(ii) संकट, विकट।
(iii) अच्छा, बच्चों संकट, विकट के मित्र का क्या नाम है	(iii) कम्बुग्रीव
(iv) बच्चों दुष्ट बुद्धि वाले बालक किस तरह के लोग होते हैं?	(iv) कोई प्रतिक्रिया नहीं।

← उपविषय की घोषणा →

अच्छा प्रिय बच्चों आज हम दुर्बुद्धि विनश्यति पाठ के बारे में विस्तार-पूर्वक पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	B.B. work
आदर्श वाचन:-	छात्राध्यापिका आदर्श वाचन करती हुए विराम, लय, गति, का ध्यान रखती है	छात्र आदर्श अनुकरण वाचन करेंगे।	
वाचन	छात्राध्यापिका बच्चों को अनुकरण वाचन करने के लिए कहती है		

Content	P.T. Activity	Stu Activity	B.B. work
प्रसंग:-	प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक संस्कृत (स्वीचकरी) भाग-२ से अवतरित है दुर्बुद्धि पाठ से लिया गया है इसमें दो बुद्धि वाले मछुवारे के बारे में बताया गया।	छात्र अपनी कॉपी पर नोट करेंगे।	मगध देश में एक तालाब था जिसका नाम फुल्लोत्पल था।
व्याख्या:-	मगध देश में एक फुल्लोत्पल नाम का तालाब था उस तालाब पर संकट, विकट नामक दो हंस रहते थे जो कि मित्र थे	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	दुर्बुद्धि विनश्यति पाठ का अर्थ - दुष्ट बुद्धि वाला।
कठिन शब्द:-	छात्राध्यापिका कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखती है		
प्र०-(i)	दुर्बुद्धि विनश्यति पाठ का क्या अर्थ है?	उ- दुष्टबुद्धि वाला	इस कछुए की वार्तालाप की कहानी इस पाठ का सार है।
प्र०(ii)	कम्बुग्रीव का क्या अर्थ है?	उ- कम्बुग्रीव	
हंसौ:- व्याख्या:-	हंसों ने कहा कि मैं काठ के टुकड़े डंडे को पकड़ो। मैं आप के बीच में लटककर तुम दोनों के पंखों के बल से सुख पूर्वक चला जाऊँगा। हंस ने कहा क्या यह उपाय सम्भव है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हुए	
विनश्यति			

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	C.B. Work
मूर्ख कछुआ	काठ के हुए कछुए को देख कर ग्वाले पीछे-२ दौड़े और बोले यह महान आश्चर्य है कि हंसों के साथ कछुवा भी उड़ रहा है और बोला तुम सब खाओ कहते हुए आकाश से गिर गया और ग्वालों के द्वारा मारा गया काठ के समान गिरे हुए कुबुद्धि कछुए के समान नष्ट हो जाता है	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	

← निष्कर्षात्मक कथन:→

प्रिय बच्चों इस पाठ के माध्यम से हमें यह निष्कर्ष मिला है कि कल्याण चाहने वाले मित्रों की बात को स्वीकार करना चाहिए। नहीं वह कुबुद्धि कछुए के समान नष्ट हो जाता है।

← अन्तिम पुनरावृत्ति:→ (i) कच्छपः केन उपायेन वदति?
(ii) कूर्म मित्रयोः वचनं विस्मृत्य किम् अवदत्?
(iii) लम्बमानं कूर्मं दृष्ट्वा गोपालकाः किम् अवदन्?

← गृहकार्य:→

छात्र इस पाठ के माध्यम से घर से अपनी कॉपी पर लिखकर व याद करके आयेंगे।

LESSON PLAN-3.

Class→ VII

P.T.'s Roll No→ 11

Date→

Subject→ संस्कृत

Time→ 35 मिनट

Topic→ रमाबाई

शिक्षण सहायक सामग्री:→ चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, संकेतक आदि

← अनुदेशात्मक उद्देश्य:→

ज्ञानात्मक उद्देश्य:→
(i) छात्र इस पाठ को पढ़कर रमाबाई के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
(ii) विद्यार्थी रमा की शिक्षा के बारे में पहचान कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:→ (i) बच्चे इस पाठ को पढ़कर उनके जीवन के बारे में कल्पनाएं कर सकेंगे।
(ii) रमा के जीवन में आने वाली समस्याओं के बारे उदाहरण दे सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:→ (i) छात्र इस पाठ के माध्यम से रमा के जीवन के बारे में विश्लेषण कर सकेंगे।
(ii) छात्र इस पाठ के माध्यम से निष्कर्ष निकालने में सक्षम हो सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य:→
(i) पाठ का अध्ययन करने से छात्रों का पठन व मौखिक कौशल विकसित होगा।
(ii) बच्चे जब ध्यान पूर्वक सुनेंगे तो उनका श्रव्य कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान→

छात्राध्यापक अनुमान लगाता है कि छात्रों को रमाबाई के जीवन के विषय में कोई जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T Act-	Stu-Act-
(i) रमा को मृत्यु के बाद बाद (पति की) कहां चली गई?	(i) - कोलकाता
(ii) कोलकाता जाकर रमा ने कौन से सदन की स्थापना की?	(ii) - शारदा सदन
(iii) विपिन बिहारी की मृत्यु के बाद रमाबाई ने क्या किया?	(iii) - कोई प्रतिक्रिया नहीं

← उपविषय की घोषणा →

छात्राध्यापिका - अच्छा बच्चो आज हम रमा के जीवन की समस्याओं के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

Content	P.T Activity	Stu Activity	B.B. work
आदर्श वाचन	छात्राध्यापिका आदर्श वाचन करते हुए पूरी लय, गति, से कक्षा में रमाबाई के पाठ को पढ़ाती है।	छात्र आदर्श वाचन करेंगे।	
गद्यांश प्रसंग -	प्रस्तुत गद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक संस्कृत (रुचिरा भाग-2) - रमाबाई से लिया गया है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
व्याख्या :-	विपिन बिहारी की मृत्यु के बाद रमा ने अपना जीवन		

Content	P.T. Activity	Stu Activity	B.B. work
	शिक्षा में लगा दिया रमा मृत्यु के बाद अपनी बेटी मनोरमा के साथ महाराष्ट्र लौट गई। स्त्रियों के सम्मान के लिए तथा शिक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। वह उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड चली गई वहां जाकर रमा ने ईसाई धर्म को स्त्रियों के विषय में उत्तम विचारों से प्रभावित हुई उन्होंने वहां जाकर शारदा सदन की स्थापना की बाद में यह सदन की स्थापना की पश्चात पुणे में स्थानान्तरण हो गया है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	रमाबाई के जीवन की सच्ची घटना :- समाजसेवा करते हुए सन 1920 ई० में रमाबाई का निधन हो गया। शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान
...मे क्रियापदे ------ ------ वर्तनी पाठ्या :-	सन 1920 ई० में रमाबाई महोदया का निधन हो गया था। परन्तु स्त्री शिक्षा के लिए उन्होंने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय रहेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
	समाज सेवा के अतिरिक्त लेखन के क्षेत्र में भी उनका योगदान है धर्म नीति और हिंदु स्त्रियों ये उसकी दो प्रसिद्ध रचना थी।		

← निष्कर्षात्मक कथन →

इस पाठ को पढने के बाद हमें यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि रमाबाई के जीवन में आई हुई अनेक समस्याएं कठिन थी जिसके विषय में हमने विस्तार से पढ़ा है।

← अंतिम पुनरावृत्ति →

(i) रमाबाई कौन सह विवाहम अकरोत?
(ii) का सा शिक्षायें रमाबाई स्वकीयं जीवनम अपितवती?
(iii) रमाबाई उच्च शिक्षार्थ कुत्र अगच्छत

← गृहकार्य →

प्रिय बच्चो आपने इस पाठ को याद करके व लिखकर लाना है।

LESSON PLAN-6

Class → VII

PT's Roll No:→ 11

Date→

Subject → संस्कृत

Topic→ कल्पतेव विद्या

Time→ 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री:→ चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, फ्लैश कार्ड

←: अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य:→ (i)- इस पाठ के माध्यम से बच्चे कल्पतेव विद्या के अर्थों के विषय में जान सकेंगे।

(ii)- छात्र इस पाठ के माध्यम से छात्र ज्ञान रूपी मनुष्य को पहचान करने में सक्षम हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य:→

(i)- छात्र इस पाठ को पढ़कर उसमें अलग-2 अर्थों की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।

(ii)- छात्र इस पाठ के माध्यम से शब्दों के अलग-2 भेद करने में सक्षम हो[illegible]

प्रयोगात्मक उद्देश्य:→ (i) छात्र कल्पतेव की तरह विद्या के बारे में पढ़ेंगे तो तर्क-वितर्क करने में सक्षम होंगे।

(ii)- पाठ में आए शब्दों को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य:→ (i) छात्रों में पाठ सुनने पर उनमें श्रवण कौशल विकसित [illegible]

(ii)- छात्रों में पठन कौशल विकसित होगा।

पूर्वज्ञान अनुमान:→

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को विद्या रूपी [illegible] के बारे में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

पूर्वज्ञान परीक्षण→

PT Activity	Stu Activity
(i). भारत में किस स्थान के लोग ज्यादा शिक्षित हैं?	(i) - उत्तर प्रदेश में
(ii). शिक्षा ग्रहण करने के लिए हम क्या करते हैं?	(ii) किताब पढ़ते हैं।
(iii)- क्या ज्ञान को चुराया जा सकता है?	(iii). कोई उत्तर नहीं

← उद्देश्य की घोषणा →

अच्छा प्रिय बच्चों आज हम कल्पतेव विद्या पाठ के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	PT Activity	Stu Activity	CB work
अनुकरण वाचन:-	छात्राध्यापक छात्राध्यापक लय, गति, के साथ पाठ का अनुकरण वाचन करती है		
न चोरहार्यम् ----- ----- ----- पशु....	व्याख्या:- विद्या रूपी धन को चोरों द्वारा न चुराने योग्य है और न ही राजाओं द्वारा बाटने योग्य और न भाईयों द्वारा बाटने योग्य है यह धन जितना खर्च करेंगे यह उतना ही बढ़ता चले जाएगा। विद्या सभी धनों में प्रमुख धन है विद्या गुरुओं की भी गुरु मानी गई है विद्या को सभी जगह व सभी स्थानों पर पूजा जाता है इसलिए कहा जिसके पास विद्या नहीं वह पशु के समान माना गया है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे। छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं	विद्या रूपी धन को चुराया नहीं जा सकता। विद्या से युक्त व्यक्ति धनवान व गुणवान है

Content	PT. Activity	Stu. Activity	C.B. Work
प्र० (i)	विद्या रूपी धन को कोई चुरा सकता है?	उ० - नहीं	
प्र० (ii)	विद्या कैसे बढ़ती है?	खर्च करने से	
	विद्या जो संस्कार युक्त करने की जाती है सारे आभूषण व वाणी नष्ट हो जाती हैं परन्तु विद्या नहीं। धन की वृद्धि करती है। विद्या कल्पवृक्ष के समान क्या सिद्ध नहीं करती अर्थात विद्या तो कल्पवृक्ष के समान प्रत्येक मनोकामना को पूर्ण करने वाली है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

निष्कर्षात्मक कथन :→ इस पाठ से हमें यह निष्कर्ष निकलता है कि विद्या चुराने योग्य नहीं है न ही बाटने योग्य केवल खर्च करने योग्य है।

अंतिम पुनरावृत्ति :→ (i) गुरवणां गुरुः कः अस्ति?
(ii) - माता पिता इव विद्या किं किं करोति?
(iii) - व्यये कृते किं वर्धते?

गृहकार्य :→
प्रिय बच्चों आपको कल पाठ के अर्थों को पढ़कर एवं लिखकर लाना है।

LESSON PLAN-7

P.T.'s Roll No. :→ 11 — Class → VII

Subject → संस्कृत — Date →

Topic → सन्धि व उसके भेद — Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, श्यामपट्ट, संकेतक, आदि।

← अनुदेशात्मक उद्देश्य →

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i) - छात्र इस पाठ के माध्यम से सन्धि तथा उसके भेदों को जानने में सक्षम हो सकेंगे।
(ii) - छात्र सन्धि व उसके भेदो को याद करने में सक्षम हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→ (i) - छात्र सन्धि के विभिन्न भेदों में सम्बंध स्थापित करने में सक्षम हो सकेंगे।
(ii) - सन्धि विच्छेद से सम्बन्धित उदाहरण देने में सक्षम हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र निष्कर्ष निकाल सकेंगे कि सन्धि के विभिन्न भेदों में सन्धि विच्छेद कैसा होता है।
(ii) - छात्र सन्धि के भेदो में तर्क-वितर्क करने में सक्षम हो सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्राध्यापक जब छात्रों को सन्धि के बारे में बताएगा और छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो उनका श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii) - छात्राध्यापक जब पढ़ायेगा तो छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो बच्चों का पठन व लेखन कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापक अनुमान लगाता है कि छात्रों को सन्धि के बारे में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T. Act	Stu Act
प्र- भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?	उ- वर्ण
प्र- वर्ण कौन-2 से होते हैं?	उ- अ, आ, क, ख, ग, आदि
प्र- क, ख, ग, घ, को क्या कहते हैं?	उ- वर्णमाला
प्र- वर्णमाला कितने प्रकार की होती है?	उ- दो प्रकार की
प्र- स्वर व व्यञ्जनों से क्या बनती है?	उ- शब्द
प्र- दो शब्दों के जोड़ को क्या कहते हैं?	कोई प्रतिक्रिया नहीं

← उपविषय की घोषणा →

अच्छा बच्चों आज हम सन्धि के भेदों के विषय में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	B.B. Work
सन्धि का अर्थ :→	आमने सामने आये हुए दो वर्णों के मेल को सन्धि कहते हैं	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगी	
भेद :-	सन्धि के तीन भेद हैं (i) - स्वर सन्धि (ii) - व्यञ्जन सन्धि (iii) - विसर्ग सन्धि	छात्र अपनी कॉपी में नोट करेंगे	
स्वर सन्धि	दो स्वरों के मिलने से ध्वनि में जो परिवर्तन होता है उसे स्वर सन्धि कहते हैं जैसे		

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	B.B. Work
	देव + आलय → देवालय; गिरि + ईश → गिरीश		सन्धि के तीन भेद व तीन प्रकार की होती है। (i) - स्वर सन्धि (ii) - व्यञ्जन सन्धि (iii) - विसर्ग सन्धि
व्यंजन सन्धि :→	निम्न शब्दों व्यंजन हो तो दोनों के मेल को व्यञ्जन सन्धि कहते हैं जैसे- महा + ईश = महेश; नर + ईश → नरेश; प्र- (i) सन्धि किसे कहते हैं? (ii) स्वर सन्धि के दो उदाहरण दो? (iii) व्यञ्जन सन्धि किसे कहते हैं?	छात्रा अपनी कॉपी में नोट करेंगी	
विसर्ग सन्धि	विसर्ग के बाद स्वर या व्यञ्जन आने पर जो परिवर्तन होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं। जैसे:- नमः + ते - नमस्ते; मनः + भाव - मनोभाव	छात्रा अपनी कॉपी में नोट करेंगी	

निष्कर्षात्मक कथन :→ इस पाठ के माध्यम से हमें यह निष्कर्ष मिला है कि प्रिय छात्रों आज हमने सन्धि के प्रकार व उसके भेदों के विषय में विस्तार से पढ़ा।

अंतिम पुनरावृत्ति :→ (i) - सन्धि किसे कहते हैं?
(ii) - सन्धि के भेद बताओ?

गृहकार्य :→ अच्छा बच्चों कल आप सब ने सन्धि के भेदों को पढ़कर आना है

Class → VII

P.T's Roll No:- 11

Date →

Subject → संस्कृत

Time → 35 मिनट

Topic → स्वावलम्बनम् पाठः

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, सकर्मक फ्लैश कार्ड।

←: अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i)- छात्र इस पाठ के माध्यम से स्वावलम्बनम् पाठ के बारे में परिचित हो सकेंगे।

(ii)- इस पाठ के माध्यम से छात्र स्वावलम्बन के महत्व के बारे में पहचान कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :→

(i) - छात्र इस पाठ के माध्यम से पाठ में निहित कठिन शब्दार्थों को व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।

(ii)- छात्र इस पाठ के माध्यम से निबन्ध में प्रयोग होने वाली भाषा और व्याकरण में सम्बंध स्थापित करने योग्य हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी इस पाठ में प्रयुक्त विभिन्न आकार कारकों का प्रयोग दैनिक बोलचाल में सक्षम हो सकेंगे।

(ii). विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के निबंध में प्रयोग हुए अलंकारों तथा समासों तथा वचनों से सम्बधित नियमों का विश्लेषण करने में सक्षम हो सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :- (i) ... के आदर्श वाचन को बच्चे ध्यान पूर्वक सुनेंगे तो उनका श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii)- पाठ का अध्ययन करने से छात्रों का पठन कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को स्वावलम्बन पाठ के में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T Act-	Stu Act-
(i)- बच्चों मित्र कितने प्रकार के होते हैं?	(i)_ दो
(ii)- बच्चों कृष्णमूर्ति के मित्र का क्या नाम है?	(ii) - श्री कण्ठ
(iii)- श्री कण्ठ का पिता कौन था?	(iii)_ धनी था।
(iv)- श्री कण्ठ के भवन में कितनी खिड़कियां थीं?	(iv)_ कोई प्रतिक्रिया नहीं

← उपविषय की घोषणा →

अच्छा बच्चों हम स्वावलम्बनम् पाठः के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

...ntent	P.T. Activity	Stu Activity	C.B.work
आदर्श वाचन:-	छात्राध्यापिका बच्चों के आगे आदर्श वाचन करते हुए गति, लय, विराम का ध्यान रखती है।	छात्रा आदर्श वाचन करेंगी।	

Contend	P.T. Activity	Stu. Activity	B.B. Work
अनुकरण वाचन :-	छात्राध्यापिका बच्चों को अनुकरण वाचन करने के लिए कहती है		कृष्णमूर्ति और श्रीकण्ठ दो मित्र थे। जिनके घर में विशाल भवन, 18 कमरे, 50 खिड़कियां 40 द्वार थे।
प्रसंग :-	प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक संस्कृत (रुचिरा) भाग-2 के स्वावलम्बन पाठ से लिया गया है	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगी	
कृष्णमूर्ति ------ ----- मित्रे --- विशाले --- भवने ---- ----	कृष्णमूर्ति और श्रीकण्ठ दो मित्र थे। श्री कण्ठ का पिता धनी था उसके घर सभी प्रकार के सुख के साधन थे। उस विशाल भवन में चालीस स्तम्भ थे और अठारह कमरों में पचास खिड़कियां थी और चालीस द्वार थे।	छात्रा अपनी उत्तर पुस्तिका में नोट करेंगी	
आसीत्			
प्रश्न- (i)	कृष्णमूर्ति क: मित्रो आसीत?		
(ii)	श्रीकण्ठस्य: पिता: आसीत?		
(iii)	तस्मिन विशाले भवने स्तम्भा: आसन्।		
एकदा --- --- ---	एक बार श्री कण्ठ उसके साथ उसके घर गया। वह कृष्णमूर्ति के माता पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार श्रीकण्ठ का अतिथि सत्कार किया।		
कण्ठ अभवत्			

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	B.B. Work
	कृष्ण-मूर्ति बोला तुम तो अपने काम के लिए अपने नौकरों के अधीन हो। जब-2 वह उपस्थित नहीं होते तब-2 तुम कष्ट अनुभव करते हो स्वावलम्बन में तो सदा सुख मिलता है कभी दुःख नहीं होता है		

निष्कर्षात्मक कथन !→

इस पाठ के माध्यम से हमे यह निष्कर्ष मिलता है कि हमेशा स्वावलम्बन में ही सुख मिलता है।

अंतिम पुनरावृत्ति →

(1) कस्य गृहे कर्मकारा: नासीत् ?
(2) - कति जनाः भवन्ति ?
(3) - कृष्णमूर्ति: कति कर्मकारा : सन्ति ?

गृहकार्य !→

प्रिय बच्चों कल इस पाठ के अर्थ को याद करके व लिखकर आना है।

P.T.'s Roll No.:→ 11

Date→

Subject → संस्कृत

Time→ 35 मिनट

Topic→ सुभाषितानि पाठ

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डाउन, श्यामपट्ट, संकेतक आदि।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी इस पाठ को पढ़कर उसमें निहित सुन्दर वचन के बारे में पहचान सकेंगे।

(ii) इस पाठ के माध्यम से छात्र पृथ्वी पर अनेक रत्नों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(2) बोधात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी 'सुभाषितानी' पाठ को पढ़कर उसमें निहित अनेक सुन्दर वचनों के बारे में उदाहरण दे सकेंगे।

(ii) छात्र अनेक सुंदर वचनों के बारे में सम्बन्ध स्थापित कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) विद्यार्थी इस पाठ के माध्यम से निष्कर्ष निकालने में सक्षम हो सकेंगे।

(ii) छात्र इस पाठ से सम्बन्धित विशिष्ट जानकारी का प्रयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो छात्रों में कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को 'सुभाषितानि' पाठ के बारे में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T. Act	Stu. Act
प्रश्न (i). बच्चो हम सब कहाँ रहते हैं?	(i). पृथ्वी
(ii). पृथ्वी पर किस तरह के लोग रहते हैं?	(ii) अच्छे बुरे
(iii). अच्छा बच्चो सत्य के द्वारा क्या धारण किया जा सकता है?	(iii) कोई प्रतिक्रिया नहीं।

← उपविषय की घोषणा →

अच्छा बच्चो आज हम 'सुभाषितानि पाठ' के विषय में विस्तार से पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T. Activity	Stu Activity	B.B. work
आदर्श व अनुकरण वाचन:-	छात्राध्यापिका बच्चों को आदर्श वाचन व अनुकरण वाचन कराते हुए लय, गति, व पाठ में विराम चिह्न का ध्यान रखेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	C.B. Work
पृथिव्या ------ ------ ------ प्रतिष्ठितम्	हमारी पृथ्वी पर मुख्य रूप से तीन रत्न पाए जाते हैं। जल, वायु, अग्नि और सुन्दर वचनों मूर्खों के द्वारा पृथ्वी को पत्थर के टुकड़े के नाम दिया गया है। सत्य के द्वारा हम पृथ्वी को धारण कर सकते हैं।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते हुए।	पृथ्वी के तीन रत्न - (i) जल (ii) वायु (iii) अग्नि
	कठिन शब्द! → कठिन शब्दों को छात्राध्यापिका श्यामपट्ट पर लिखती है।	छात्र कठिन शब्दों को अपनी कॉपी पर लिखेंगे।	
	पृथ्वी पर अनेक रत्न विद्यमान हैं सर्वजनों व मित्रता में झगड़ा नहीं करना चाहिए। धन अभाव में विद्या का प्रयोग व भोजन करने में संकोच तथा लड़ने वाले को छोड़कर व्यक्ति हमेशा सुखी रहता है।		

निष्कर्षात्मक कथन! → इस पाठ के माध्यम से पृथ्वी पर अनेक रत्नों तथा सुन्दर वचनों के बारे में हमने पढ़ा।

अंतिम पुनरावृत्ति! → (i) - कुत्र विस्मयः न कर्तव्यः?
(ii) - पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि कानि ?
(iii) - व्यवहारज्ञः कुत्र सुखी भवेत्?

गृहकार्य! → अच्छा प्रिय बच्चों कल इस पाठ को पढ़कर आना है।

LESSON PLAN - 10

P.T.'s Roll No. → 11

Class → VIII

Subject → संस्कृत

Date →

Topic → हास्य बालकविसम्मेलन

Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, संकेतक आदि।

← अनुदेशात्मक उद्देश्य →

ज्ञानात्मक उद्देश्य! → (i) छात्र इस पाठ के माध्यम से हास्य बाल कवि सम्मेलनम् पाठ के अर्थों को जान सकेंगे।

(ii) छात्र पाठ में आए हुए विभिन्न पात्रों के बारे में पहचान करने योग्य हो सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य! → (i) विद्यार्थी कविता में आए हुए शब्दों को पढ़ने में जान सकेंगे।

(ii) - छात्र कविता में आये हुए विभिन्न अंगों के बारे में उदाहरण देने में सक्षम हो सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य! → (i) - छात्र इस पाठ के माध्यम से कविता को सुनने वाले लोगों के बारे में तर्क-वितर्क कर सकेंगे।

(ii) - छात्र पाठ से मिलने वाली शिक्षा को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे तो छात्रों में पठन कौशल विकसित होगा।

(iii). छात्राध्यापिका जब इस कविता को पढ़ायेगी तो छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे इससे छात्रों में श्रवण कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका पूर्वज्ञान अनुमान लगाती है कि छात्रों को हास्य कविता के विषय में थोड़ा-बहुत ज्ञान अवश्य होगा।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T Act	Stu-Act
प्रश्न (i). बच्चे एक दूसरे से कैसे बात करते हैं?	(i)- बोलकर
(ii) बच्चे आप से कुछ कहते हैं तो सुनने के लिए किस का प्रयोग करते हैं?	(ii)- कानों का प्रयोग
(iii)- स्कूलों में सम्मेलन कब होता है?	(iii)- किसी आवश्यक कार्य के लिए।
(iv). सम्मेलन में आए हुए लोगों का स्वागत हम किस प्रकार करते हैं	(iv)- तालियां बजाकर।
(v)- अच्छा बच्चो जब सम्मेलन में भाषण सुनना और कविता को हास्य व्यंग्य कर रहे हो तो क्या करना चाहिए?	(v). कोई प्रतिक्रिया नहीं

← उपविषय की घोषणा →

→

Content	P.T. Activity	Stu-Activity	B.B. work
आदर्श वाचन →	छात्राध्यापिका बच्चों के आगे आदर्श वाचन करते हुए लय, गति, विराम का ध्यान रखेगी।	छात्रा आदर्श वाचन करते हुए	हास्य कविता — बालकों द्वारा कवि सम्मेलन में कविता सुनाना व वह का संचालक द्वारा शोर ना करने का व तालियों से स्वागत करने का सार है
अनुकरण वाचन :→	छात्राध्यापिका बच्चों को अनुकरण वाचन करते हुए कहती है	छात्र अनुकरण वाचन करते हुए।	
प्रसंग :→	प्रस्तुत पद्यांश हमारी संस्कृत पुस्तक (रुचिरा भाग-2) के हास्य बालक कवि सम्मेलन पाठ से लिया गया है इस कविता में कवि ने सम्मेलन के विषय में बताया है	छात्र प्रसंग को कॉपी में नोट करेंगे।	
संचालक की घोषणा :→	विभिन्न वेषभूषाधारी चार बालकवि मंच के ऊपर बैठे हुए हैं हास्य कविता सुनने के लिए उत्सुक भी संचालक कहता है कि शोर मत करो आज बहुत हर्ष का अवसर है आइए इनका हम तालियों से स्वागत करते हैं।		
हास्य कवियों का सम्मेलन	सबसे पहले गजाधर सभी सज्जन जनों को मेरा नमस्कार है		

	और मैं आधुनिक जनों को अपना काव्य सुना रहा हूँ वेदराज मुझे नमस्कार है।		
प्र० (1) प्रश्न	कुत्र कानि बालकाः उपविष्टाः सन्ति? के कोलाहलं कुर्वन्ति?		
बालकों के कार्य:-	बालकवृन्द है कि अब मेघ में काव्य सुनतो मैं गजाधर यम को तथा तुन्दिल को प्रणाम करता हूँ। उसी प्रकार धुन्ध को कालात्मक को प्रणाम करता हूँ। हंसते-हंसते अपने घर चले जाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	

निरूपणात्मक कथन:→ इस पाठ को पढ़ने से हमें कविता में आए हुए पात्रों तथा हास्य कवि सम्मेलन के विषय में पता।

अंतिम पुनरावृत्ति:→ (1) - गजाधरः कस्य उद्देश्य करोति प्रस्तौति?
(11) - क्षमाः गृह कः?
(111) - के कोलाहलं कुर्वन्ति?

गृहकार्य:→ अच्छा प्रिय बच्चो कल इस पाठ को पढ़कर व कॉपी में लिखकर लाना है।

LESSON PLAN - 11

P.T's Roll No:→ 11
Class→ VII
Subject→ संस्कृत
Date→
Topic→ कारक व उसके भेद
Time→ 35 मिनट
शिक्षण सहायक सामग्री:→ चॉक, डाइन, संकेतक, श्यामपट्ट आदि।

←अनुदेशात्मक उद्देश्य:→

ज्ञानात्मक उद्देश्य → (1) इस पाठ के माध्यम से छात्र कारक शब्द का अर्थ बताने में सक्षम हो सकेंगे।
(11). छात्र कारक के बारे में पहचान कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य → (1) - छात्र कारक के भेदों के बारे में व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।
(11). छात्र कारक को पढ़कर इसके महत्व को समझ सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य:→ (1) - छात्र कारक के विषय में उदाहरण दे सकेंगे।
(11) छात्र पाठ का निष्कर्ष निकालने में सक्षम हो सकेंगे।
(111) - छात्र कारक में आए विभक्तियों में तर्क-वितर्क कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य:→ (1) छात्राध्यापिका जब छात्रों को कारक के बारे में बतायेगी तो छात्र ध्यान से सुनेंगे जिससे छात्रों में श्रवण कौशल विकसित होगा।

(11) - पढ़ाये गए पाठ को छात्र ध्यान पूर्वक पढ़ेंगे तो छात्रों में पठन व मौखिक कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को कारक के विषय में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T. Act	Stu. Act
(i) कारक किसे कहते हैं?	(i) किसी वाक्य में क्रिया से संबंध को
(ii) कारक के कितने भेद होते हैं?	(ii) कारक के छः भेद हैं।
(iii) प्रथम कारक का नाम बताओ?	(iii) कर्ता कारक
(iv) कारकों के साथ विभक्तियों के नाम बताओ?	(iv) कोई उत्तर नहीं

← उद्देश्य की घोषणा →

अच्छा बच्चो आज हम कारक तथा उसकी विभक्तियों के बारे में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T. Activity	Stu Activity	GB. Work
कारक :-	किसी वाक्य में क्रिया के साथ सम्बंध को प्रकट करने वाले शब्द को कारक कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं	
कारक के भेद :→	कारक के सात भेद होते हैं :- (i) - कर्ता कारकम् (ii) - कर्म कारकम् (iii) - करण कारकम् (iv) - सम्प्रदान कारकम् (v) - अपादान कारकम् (vi) - अधिकरण कारकम् (vii) - सम्बंध कारकम्	छात्र अपनी कॉपी पर लिखते हुए	

Content	P.T. Activity	Stu Activity	C.B. Work
कर्ता कारकम्	क्रिया को करने वाला कर्ता कारक कहलाता है जैसे:- रामः ग्रामं गच्छति।		कारक के भेद (i) - कर्ता कारक (ii) - कर्म कारक (iii) - करण कारक (iv) - सम्प्रदान कारक (v) - अपादान कारक (vi) - अधिकरण कारक (vii) - सम्बंध कारक आदि
कर्म कारकम्	कर्म करने वाले कारक को कर्म कारक कहते हैं जैसे:- बालकः विद्यालयं गच्छति।	छात्र सभी उदाहरण को कॉपी पर लिखते हुए	
करण कारकम्	जिस साधन के द्वारा कर्ता क्रिया को सिद्ध करता है उसे करण कारक कहते हैं, जैसे:- श्यामः कमलेन लिखति		
सम्प्रदान कारकम् :-	कर्म के द्वारा कर्ता जिसे खुश करना चाहता है उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं जैसे:- शिक्षकाय ज्ञानं ददाति		
अपादान कारकम् :-	पृथक होने की अवस्था में जो वस्तु स्थिर रहती है उसे अपादान कारक कहते हैं	छात्र अपनी कॉपी पर लिखते हुए	
अधिकरण कारकम् :-	कर्ता और कर्म से रखने वाली क्रिया के आधार को अधिकरण कारक कहते हैं जैसे:- विद्यालये छात्रा पठन्ति।		

निष्कर्षात्मक कथन →
इस पाठ को पढ़ने से हमें यह निष्कर्ष मिला है कि कारक किसे कहते हैं व कारक के कितने भेद होते हैं
जिसको उदाहरण सहित समझाया गया है

← अंतिम पुनरावृत्ति →

(i). कारक किसे कहते हैं?
(ii). कारक के कितने भेद होते हैं?
(iii). सम्प्रदान कारक का उदाहरण दें?
(iv). अपदान कारक किसे कहते हैं?

← गृहकार्य →

अच्छा प्रिय बच्चों आप सब ने कल कारक के विषय में पूर्णरूप से पढ़कर आना है।

LESSON PLAN - 12.

P.T.'s Roll No → 11
Class →
Subject → संस्कृत
Date →
Topic → वर्ण विचार (व्याकरण)
Time →
शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, संकेतक आदि

← अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i). छात्र व्याकरण के वर्ण विचार शब्दों को समझकर उनका प्रत्यास्मरण करने योग्य हो सकेंगे।
(ii). छात्र संस्कृत व्याकरण में दिए गए वर्ण विचार के विषय में शब्दों की पहचान करने योग्य हो सकेंगे।
बोधात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र वर्णों की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।
(ii) - छात्र वाक्य के आधार पर वर्ण के उदाहरण देने में सक्षम हो सकेंगे।
प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) - छात्र वर्ण विचार के बारे में पढ़ेंगे तो छात्रों में तर्क - वितर्क करने में सक्षम हो सकेंगे।
(ii). छात्र वर्ण के अक्षरों की पहचान करके परिकल्पना स्थापित करेंगे।
कौशलात्मक उद्देश्य :→
(i) छात्र वर्ण विचार के बारे में पढ़ेंगे तो छात्रों का पठन कौशल विकसित होगा।
(ii) छात्र वर्ण विचार के शब्दों को लिखेंगे तो छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

← पूर्व ज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों में वर्ण विचार के बारे में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T Act..	Stu. Act.
(i) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?	(i) वर्ण
(ii) वर्ण कौन २ से होते हैं?	(ii) अ, आ, क, ख, ग.
(iii) वर्णमाला कितने प्रकार की होती है?	(iii) दो प्रकार की
(iv) स्वर या व्यंजन से क्या बनते हैं	(iv) कोई प्रतिक्रिया नहीं

← उपलब्धि की घोषणा →

छात्राध्यापिका अच्छा बच्चों आज हम सरकार वर्ण विचार के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

Content	P.T. Activity	Stu. Activity	B.B. work
वर्ण:-	भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं। वर्णों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है।	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
वर्ण के भेद :→	वर्ण के तीन भेद होते हैं; (i) स्पर्श वर्ण (ii) व्यञ्जनानि (iii) आयोगवाह स्योनि वर्ण जैसे:- क, ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, आदि	छात्रा अपनी कॉपी पर लिखेंगे।	

Content	P.T. Activity	Stu Activity	B.B. work
स्पर्श वर्ण:-	जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अवरोध व दूसरे किसी वर्ण की सहायता से होता है, उसे स्पर्श वर्ण स्वर कहते हैं, जैसे अ, इ, उ, ऋ, लृ, आ, ए आदि।	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	वर्णों के उच्चारण स्थान - (8) (i). उरस्य (ii). कण्ठ (iii). शिरस्य (iv). जिह्वामूल (v). दन्त: (vi). नासिका (vii). ओष्ठ: (viii) तालु आदि।
व्यञ्जनानि वर्ण:→	जिन वर्णों के उच्चारण में वायु का प्रवाह रुककर या घर्षण के साथ मिलता है उन्हें व्यञ्जनानि कहते हैं जैसे:- ट, ठ, ढ, थ, न, प, आदि।		
आयोगवाह स्योनि वर्ण:-	आत्मा वाक्य रूप में सन्निहित पदार्थों का बौद्धिक संकलन कर उच्चारण की इच्छा से मन को प्रेरित करता है और- जो कि प्राणवायु को प्रेरित करती है। जैसे: वर्णों के उच्चारण स्थान आठ हैं → (i) उरस्य (ii) कण्ठ (iii) शिरस्य (iv) जिह्वामूल (v) दन्त: (vi) नासिका (vii) ओष्ठ: (viii) तालु आदि।	छात्रा ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं। छात्रा अपनी कॉपी में लिखेंगे।	

निष्कर्षात्मक कथन :→

इस पाठ को अध्ययन करने से हमें यह निष्कर्ष मिला है। संस्कृत भाषा में किस प्रकार से वर्ण व वर्ण अक्षर पाए जाते हैं जिसको उदाहरण सहित सभी वर्णों को समझाया गया है।

←अंतिम पुनरावृत्ति→

(i)- भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?
(ii) वर्णमाला कितने प्रकार की होती है?
(iii). स्वरवर्णमाला के दो उदाहरण दो?
(iv). व्यंजनात्मक वर्ण किसे कहते हैं?

← गृहकार्य →

छात्राध्यापिका बच्चों को निम्न कार्य घर से करके लाने के लिए बोलेगी कि प्रिय बच्चों कल इस पाठ को याद करके पढ़कर आना है।

LESSON PLAN - 5

P.T's Roll No: → 11 Class → VII[th]

Subject → संस्कृत Date →

Topic → समवायो हि दुर्जयः Time → 35 मिनट

शिक्षण सहायक सामग्री :→ चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक, फ्लैश कार्ड

← अनुदेशात्मक उद्देश्य :→

ज्ञानात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र इस पाठ को पढ़कर तथा इसमें निहित समस्या के बारे जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
(ii) विद्यार्थी इस पाठ में आये हुए शब्दों के विषय में परिचित हो सके।

बोधात्मक उद्देश्य → (i) छात्रा समवायो हि दुर्जयः के पाठ को पढ़कर समस्या के कारणों के बीच में सम्बंध स्थापित कर सकेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्र इस पाठ को पढ़कर चिड़ियों के समस्याओं के बारे में विश्लेषण करने में सक्षम हो सकेंगे।
(ii) विद्यार्थी इस विषय से संबंधित विशिष्ट जानकारी का प्रयोग अपनी दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :→ (i) छात्राध्यापिका के आदर्शवाचन को सुनेंगे तो छात्रों में श्रवण कौशल विकसित होगा।

(ii) पाठ का अध्ययन करने छात्रों का पठन कौशल विकसित होगा।

(iii) इस पाठ के कुछ कठिन शब्दों को अपनी कॉपी पर लिखेंगे तो उनका लेखन कौशल विकसित होगा।

← पूर्वज्ञान अनुमान →

छात्राध्यापिका यह अनुमान लगाती है कि छात्रों को समवायो हि दुर्जयः पाठ के विषय में कुछ जानकारी अवश्य होगी।

← पूर्वज्ञान परीक्षण →

P.T. Act-	Stu-Act-
अच्छा बच्चों हम कार्य कैसे करते हैं?	(i)- संघटन से।
संघटन कैसे बनते हैं?	(ii)- मित्रता से।
मित्रता कैसे होती है?	(iii)- एकता से।
कोई कठिन कार्य करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?	(iv)- कोई उत्तर नहीं।

← उपविषय की घोषणा →

अच्छा, प्रिय बच्चों आज हम समवायो हि दुर्जयः पाठ के विषय में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

← प्रस्तुतीकरण →

Content	P.T. Activity	Stu Activity	B.B. work
आदर्श वाचन →	छात्राध्यापिका बच्चों के आगे आदर्श वाचन करते हुए, लय, गति, विराम चिह्न का ध्यान रखेगी।	छात्र आदर्श व अनुकरण वाचन करते हुए।	
अनुकरण वाचन →	छात्राध्यापिका बच्चों को अनुकरण वाचन करने के लिए कहेगी।		